

उद्यकालिपद्धति

उद्यकालिपद्धति
2251 I

ASMA ARCHIVES

341 →
Gravaii
Larua vithu

श्री ग (६) अ य न म ॥ ॐ व क्र (६)
न म ॥ ॥ अथ आ व लि क म्मि क
ले षा र्क्ष ने ॥ ॥ ग गं क ले (६) उ द
क पू न र्णी म न्नु ॥ ॐ सु मि नो मि मी
गा ॥ ॥ ग गं क ले षा (६) द र्श ए
स फ म्म पी न क लो ॥ अ न्ध गी १
द धि र शि व १ सं प्र द य ॥ प ऋ ग य
॥ न क्ता (६) ग ग ३ स र्चो दि ३ प ऋ
व लि १ शी ल क्मी ॥ म थ क्र म ए स्क्रा
प म्म ग ॥ द श व लि ऋ ॥ ॥ व टां ॥ अ
व लि क म्म टां ॥ शि व प ऋ ग यो स्क्रा प
य ग्द श व लि व टां क म्म (६) द र्श
व लि वि हा य ॥ ॥ अ न्ध त्स र्द य थ
क्र म ए स्क्रा प य ग ॥ ॐ अ श्वा दि पू ष
रा ऊ र्ने ॥ वा क्र ॥ अ स्म ग य रु मा न
स्य व र्ध व न्ध न श्वा शि के मे स प क्र
षा दि स्क्रा प न क ले षा श्च न नि मि र्ण
कर्तु क्र म श्रु त्प षा रा ऊ र्ने स म प
या मि ॥ मू णि स्त्वे द व गा नी स क ले
सु ने न दी गो र्ध गी ग म दि ग य १ १
त्रो व धी दि १ १ रु ल क्म स म य १ १
मे य १ १ क ष्य वि द्या नी ध स

हं तु कलषागारं सर्वेषु प्र
संलिभवं कुरु न र्पसकलं विदय
रं रिकि पूको न नामि ॥ ॐ स क
अभिरुः ॥ कथं पश्य वल्लिष्ठश्च
नदा उाध एम नम ॥ विष्णुमिग्रा यम
दग्निष्ठा तिरा याले न र्धगी ॥ सिद्धि न
तु क्रियान ॥ पृषा रा उ न र्धगी ॥
मिनमः ॥ य उ मा न न कल ए य अ
द र्ध पृषा पा र्धनी ॥ वाक्म ए क म ए ल
पृषा रा उ न र्धगी ॥ स म र्ध य मिनमः ॥
गः कल स पृषा का न र्धगी ॥ अ च
स्य ॥ ३ ॥ अथादि वाक् अस्म
य उ मा न स्य अ व लो क म स प
षा दि कल ए अ न नि मि र्ध क र्ध
स र्ध य अ र्ध न मः ॥ पृषा न र्धगी ॥
ॐ अ क र्ध न न ॥ अथ आ स न पृ
क कला ॥ अ र्ध पा ग्रा दि न्या स कला ॥
आ न न पृ जा अ ॥ स प क वि कल ए
उ ले न न र्धगी ॥ सि न्दु न य र्ध प वी न प
षा नि धा य ॥ आ वा ह न र्धगी ॥
क र्धगी ॥ ॐ ए म न म रा न दा उ वि
अ मि प्र य न द नि व लो क क

आमन्त्रितुं। अस्मिन्निह मय्यनयो मदिष्ठा मन्त्रः।
अस्मिन्निह मन्त्रे जगन्निह मन्त्रे नमः॥ १११

दं वगा ॐ ॐ व ॐ ॐ सर्वकर्मो न भू वि
 नि या गा ॐ ॐ दामिनि मन्त्रस्य स्वयं
 मन्त्रस्य विमर्शयन्ति कुरुन्तु अग्नि
 देवता लोकं दद्यादुक्तिधनं ॐ वि
 नि या गा ॐ ॐ द्यादुक्तिनां प्रजापति
 ऋषिः मयन्ति उद्भिः जन्तुः ॐ ॐ
 गोपकिं प्रहृष्टं जगत् ॐ ॐ द्यादि
 द्यादि एव कुरु स्य विदुः ॐ ॐ वि
 (अदं वादं वगानादि ह्रस्वा यश्चि
 णं या एमं याम् वि नि या गा ॐ ॐ ॐ
 मयया विष्णुमिष्टमविमर्शयन्ति कुरु
 ॐ स वि गद वगा ॐ ॐ गगा दानां चर्चनीं ॐ
 ॐ गत्वा यामि ॐ ॐ दं व स्यत्वा ॐ ॐ वम
 (अद्य हि सन्निभा ॐ ॐ गगा नाना ॐ ॐ ॐ
 स्यत्वा ॐ ॐ वि ॐ ॐ चत्वा नि ॐ ॐ ॐ ॐ
 द्या ॐ ॐ हि न एव गा ॐ ॐ ॐ मय कुरु
 य ॐ ॐ ॐ वं कुरु कुरु न ॐ ॐ विष्णु न
 गमसि ॐ ॐ नमः ॐ मवाय च ॐ ॐ ॐ ॐ
 धा दानां चर्चनीं ॐ ॐ अद्य सयन्त विप
 ऊनी ॐ ॐ गमगमाय नमः ॐ ॐ न वि वि
 हा जा ॐ ॐ मन्त्रा नि गुरु दं हा गा यद्वा
 ॐ ॐ ॐ ॐ वि वसन्त ॐ ॐ वि स्या विष्णु वि

४५॥ विरिणी न ऊ म म २ ॥ अ २ ॥ द व ग ग ह
विषा वि वा स नि ॥ ॐ र न द्वा ऊ य न
म ॥ ॐ र्व सो मा सि ध न य म्मि नु ॥
ति क्का २ ॥ अ २ ॥ ध न ॥ प व स म्मि नु य इ ॥
॥ ॐ वि ॥ अ मि ग्रा य न म ॥ ॐ ॐ म
रा ॥ ऊ २ ॥ अ २ ॥ न सो वि न या दि व ॥
या सो २ ॥ अ २ ॥ न स प वी न ॥ ॥ वि ॥
मि ग्रा य म द द गी म द्या नि स रु सु
सा व प्र मि न न २ ॥ अ २ ॥ य ॥ ॐ य म द य
य न म ॥ ॐ ॥ अ २ ॥ ना य म द मि ना या ना
व ग स प सी द र्ग ॥ पा र्ग सो म मृ ग ध ग
॥ ॐ व ॥ अ २ ॥ क्रा य न म ॥ ॐ ॐ र ग सि
मि ग्रा व न ॥ अ २ ॥ व ॥ अ २ ॥ क्रा २ ॥ अ २ ॥ व
क्ता न न सो धि जा ग ॥ ॥ इ ॥ सु र क न
व क्ता ॥ अ २ ॥ ध न वि ॥ अ २ ॥ द वा ॥ प ॥ क
ने ता द न द ग ॥ ॐ क ॥ अ २ ॥ पा य न म ॥
ॐ ॥ अ २ ॥ ध न वि ॥ सो म मि नु ॥ ॥ पि व र
व र्ग ॥ ॥ व र्ग ॥ द ॥ ध न ॥ अ २ ॥ म नि क वि
षा न वी र्ग म रु दि नु ॥ ये ॥ य नि स रु व ॥
ॐ ॥ अ २ ॥ य न म ॥ ॐ ॐ स मि ॥ अ २ ॥ अ २ ॥
दि व सा व र्ग प्रा प्र य २ ॥ उ व स ॥ उ ॥
पा वि रा नि ॥ अ २ ॥ वि प्र मी वि ॥ अ २ ॥ व न म
ना रि ॥ द ॥ वा ॥ र ॥ ॐ ॥ जा ना रु वि षा दृ ग
स नि ॥ ॐ स प क्ता सि र्था न म ॥ ॐ स

क ऋष यः॥ ॐ अ नैश्व ये नमः॥ आ
वा रुने स्वापने च न ना रुत पृथी नम
॥ ॐ प्रजापत ननुदं॥ ॐ ॐ द विष्णु॥
ॐ नमः ॥ ननुद म॥ ॐ ॐ ममं ग ॥ ॐ
यमं ॥ ॐ सिगासिगं स निग॥ ॐ
सरसु ॥ ॐ सीपु नषः॥ ॐ पञ्च नयः
स नस्व॥ ॐ आति यु क ले ॥ ॐ
सिस्सी ग ल द्वा ना च्चे न वि ॥ ॐ गत्स
व वि वि प नि प लु म सु॥ ॐ स अ
जा ग दि प ऋ व क र्था नमः॥ ॐ स
आ जा ग व मि मी ग य रु म जि न्द
वाना म रु व स्य ग ग मः॥ अ स्य रु ग
॥ ॐ दि ॥ ग स्य वा चि स्वा रु क ग ॥
रु वि न द नु द वा ॥ ॐ वा म म द्य हि
क
क य स्य द व रु ने न या वि या वा म रा
उ ॥ स्या म॥ ॐ वा ग न्द वि वा॥ ॐ व स्य
न र्ध व द ॥ ॐ ग मी ॥ ॐ न उ ग म सु
स्कु ष स्य गि मि य ऋ न म व स रु म रु
व य म॥ पूषा नो य अ व द स्या म स रु
॥ ॐ दि ग पा य न द व ॥ ॐ स्य स्य ॥ ॐ
ॐ नि प ऋ व क्ता च्चे न॥ ॥ ग ग लो क
पा लो च्चे न॥ ॐ ॐ द्या य न मः॥ ॐ ग
गा न मि न्द म वि॥ ॐ अ य य न मः॥ ॐ

[illegible]

[illegible]

र्चनी ॥ ॥ गणमासादिपक्षा र्चनी ॥ ॐ ज
 ष्मासा ४ पक्षं वि ॥ २२ ॥ ॐ निमासादि
 पक्षा र्चनी ॥ ॥ गणदिधिउमापण्य र्चन
 ॥ ॐ दसा ४ पक्षं वि ॥ मसि ॥ ॥ ॐ निदधि
 उमा र्चनी ॥ विदपूजा ॥ ॐ हिने ॥ ॐ ग
 ४ ॥ ॐ ज्ञानयज्ञान ॥ ॐ विदनामासि
 ॥ ॐ निविदपूजा ॥ ॥ सीपदायपक्ष
 गक्षा र्चनी ॥ ॐ गमयमीमर्कदीपपक्ष
 उपय ॥ ॐ मानसोक्त ॥ ॐ निपक्ष
 द्या र्चनी ॥ नक्षा र्चनी ॥ ॐ वेदविद ॥
 ॐ निनक्षा र्चनी ॥ ॥ गणपक्षद्वि
 पूजा ॥ ॥ गणनाक्षा ॥ ॥ ॐ निपक्ष
 प्या र्चनी ॥ ॥ गणसूक्तदिपूजा ॥ ॐ ज्ञा
 कषुननज ॥ ॐ विष्णुनाट ॥ ॐ वि
 ष ॥ ॐ सागरद्विजा ॥ ॐ विष्णुनाट ॥ ॐ
 ॐ दविष्णुविद ॥ ॐ नमः ॥ ॐ द्याय
 ॥ ॐ देवस्य ॥ ॐ नि ॥ ॐ ज्ञान
 कक्षा ॥ ॐ श्रीशक्तिकी ॥ ॐ द्यामा
 र्चनी ॥ नक्षत्रिदुम्माहि ॥ ॐ सी ॥ ॐ
 समुद्र ॥ ॐ यक्ष ॥ ॐ हिमालय ॥ ॐ
 जानः ॥ ॐ विनायकमहर्षि ॥ ॐ
 य ॥ ॐ ज्ञान ॥ ॐ देवदेव ॥ ॐ ग
 ॥ ॐ विनायकमहर्षि ॥ ॐ विदय ॥ ॐ

۷۰

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ विष्णुवर ॥ ॐ रुद्रायर ॥ ॐ प्रजाप
 तायर ॥ ॐ इंद्रायर ॥ ॐ अमायर ॥ वनेष
 यर ॥ ॐ कथनायर ॥ ॐ वेद्यवेषायर ॥
 ॐ अययर ॥ ॐ अमर्यायर ॥ ॐ वाय
 वर ॥ ॐ अंगीशानायर ॥ ॐ अनकायर

॥ ॐ ब्रह्मेश्वर ॥ अगलोकपाला ॥ ॐ
 गणपतय नमः ॥ ॐ स्वदायर ॥ ॐ
 अदीर ॥ ॐ नमस्कायैर ॥ ॐ सनदा
 यर ॥ ॐ सनत्कुमानायर ॥ ॐ सनाग
 नायर ॥ ॐ कमिलायर ॥ ॐ आसने
 रयार ॥ ॐ वातपक्षयर ॥ ॐ पक्षि
 रायर ॥ ॐ मनीषिरयार ॥ ॐ आग
 यर ॥ ॐ अग्निनसर ॥ ॐ पुनस्यायर
 ॥ ॐ पुनक्तुगायर ॥ ॐ कृगवर ॥ ॐ पु
 न्तसायर ॥ ॐ वलिषायर ॥ ॐ रु
 गवर ॥ ॐ नेनदायर ॥ ॐ माकैलु
 यर ॥ ॐ अत्रवक्तृषामानसपुत्रायग
 णायनमः ॥ ॥ अत्रवक्तृषामान
 सपुत्राः ॥ ॥ ॐ अनायनमः ॥ ॐ अ
 नायर ॥ ॐ सोमायार ॥ ॐ अदीर ॥
 ॐ अनेलायर ॥ ॐ अनेलायर ॥ ॐ
 पुष्टबायर ॥ ॐ पुस्तासायर ॥ ॐ अग
 अष्टवसिगाणायर ॥ ॐ अष्टक

पायनम॥ॐ अहिब्रधायनम॥ॐ
विनपादायर॥ॐ रुनायर॥ॐ वक्र
पायर॥ॐ ग्राचकायर॥ॐ स्रग्ध
नायर॥ॐ साविगुर॥ॐ ऊयनाय
र॥ॐ पिनाकिन॥ॐ अपनाजिना
यर॥ॐ नकादणनदगणायर॥
ॐ द्वायनम॥ॐ धागुर॥ॐ रुगमय
र॥ॐ पूषायर॥ॐ सिगायर॥ॐ व
र॥ॐ यर॥ॐ अर्धमायर॥ॐ अर्ध
र॥ॐ विवधगुर॥ॐ लघुर॥ॐ सवि
गर॥ॐ विष्णुधर॥ॐ दादणामर॥ॐ
गणायनम॥ॐ ॐ दधनम॥ॐ उद
दायर॥ॐ निणनाधायर॥ॐ अ
गाधर॥ॐ अणलामुनायर॥
ॐ मृगकायर॥ॐ ब्रह्मायर॥ॐ सा
मायर॥ॐ विधवर॥ॐ गानाधिप
यर॥ॐ अणिन॥ॐ उषधीसा
यर॥ॐ हिमोणवर॥ॐ उषध
र॥ॐ निणकायन॥ॐ अणाम
यर॥ॐ गणउणवदुगणायर॥
ॐ अदिणायनम॥ॐ सासायर॥
ॐ अमनायर॥ॐ वधायर॥ॐ व
रुस्यगयर॥ॐ युकायर॥ॐ अ
धनायर॥ॐ नाहवर॥ॐ कगवर

॥ ऊमनेर ॥ अंग ग्रह गणाय ॥ ॐ ऊंगी
 धनाय नमः ॥ ॐ ब्रह्माङ्गी गीष्वा नाय ॥
 महाङ्गा गीष्वा नाय ॥ ॐ तिलक स्त्रामिध
 र ॥ ॐ मनस ॥ ॐ अनवर ॥ मन्त्राय ॥
 ॐ प्राणाय ॥ ॐ पनाय ॥ ॐ धर्माय ॥
 ॐ विनाय ॥ ॐ हयाय ॥ ॐ हंसाय ॥
 ॐ नानाय ॥ ॐ विरवर ॥ ॐ प्ररव
 र ॥ अंग साध गणाय ॥ ॐ प्राणाय
 ॥ ॐ अयानाय ॥ ॐ कानाय ॥ ॐ उदा
 नाय ॥ ॐ समानाय ॥ ॐ वक्राय ॥ ॐ
 (आग्राय ॥ ॐ नसाय ॥ ॐ कानाय
 ॥ ॐ पसाय ॥ ॐ वाधाय ॥ ॐ मन
 सर ॥ अंग विगणाय ॥ ॐ अङ्गि
 र्ववगाय नमः ॥ ॐ वागिदवगाय ॥ ॐ
 सूर्यादवगाय ॥ ॐ बन्दुमादवगाय
 र ॥ ॐ वसवादवगाय ॥ ॐ नन्दादवगा
 य ॥ ॐ दिग्यादवगाय ॥ ॐ मन्नादव
 गाय ॥ ॐ विष्वदवगाय ॥ ॐ वरुस्य
 णिदवगाय ॥ ॐ ॐ द्वादवगाय ॥
 ॐ मन्नादवगाय ॥ ॐ अंग सूर्य
 विगणाय नमः ॥ ॐ रूर्वमः ॐ
 रुवर ॥ ॐ खर ॥ ॐ महर ॥ ॐ अनर
 ॥ ॐ गयर ॥ ॐ सखर ॥ ॐ गमयग्रीर ॥
 ॐ लिनसर ॥ अंग दण्डा गणाय
 अंगाय ॥ ॐ ॐ लिका धनमः ॥

ॐ कल्यायनमः॥ ॐ व्याकने॥ ॐ
ॐ निरुकाय॥ ॐ कृदाय॥ ॐ अ
निध॥ ॐ उकाय॥ ॐ अणुकाय॥
॥ ॐ मधमाय॥ ॐ प्रतिष्ठाय॥ ॐ स
प्रतिष्ठाय॥ ॐ गमय॥ ॐ उचिष
॥ ॐ अनुर॥ ॐ हरि॥ ॐ प
य॥ ॐ हृ॥ ॐ उगाय॥ ॐ अ
निगाय॥ ॐ सकय॥ ॐ अ
सकय॥ ॐ अक्षि॥ ॐ अक्षि॥
ॐ ह॥ ॐ अगानिहृदवगा॥
य॥ ॐ अगावदायनमः॥ ॐ य
वदाय॥ ॐ सामवदाय॥ ॐ अ
वदाय॥ ॐ पवि॥ ॐ अ
॥ ॐ अकनिकाय॥ ॐ वायव
॥ ॐ दि॥ ॐ सूर्याय॥ ॐ दि
या॥ ॐ वनमस॥ ॐ व
॥ ॐ कृदाय॥ ॐ प्रजाप
॥ ॐ द॥ ॐ वा॥ ॐ अक्षि॥
ॐ अक्षय॥ ॐ अक्षय॥ ॐ स
सपयय॥ ॐ अनमपय॥
ॐ वदागणाय॥ ॐ अक्षि
मः॥ ॐ सुनागनाय॥ ॐ सा
ॐ अ॥ ॐ सव॥ ॐ विव॥ ॐ अ

य२॥ॐ अङ्गि नक्ष२॥ॐ वणिष्ठा य
य२॥ॐ दक्षा य२॥ॐ सीवर्णि य२॥
ॐ सांकात पाय२॥ॐ पनासना य२॥
ॐ आपस्त राय२॥ॐ सनसं२॥ॐ
कासाय२॥ॐ कात्याय२॥ॐ वृहस्प
तय२॥ॐ रागसाय२॥ॐ रानदा आ
य२॥ॐ विष्णुमिग्राय२॥ॐ रुमद
य२॥ॐ वसिष्ठा य२॥ॐ कश्यप
य२॥ॐ अग्रय२॥ॐ जनेश्वरि२॥
ॐ श्रीरवाय२॥ॐ लिखिताय२॥ॐ
हलिगाय२॥ॐ आरुवल्क्याय२॥
ॐ मार्कण्डेय२॥ॐ सालक्यय२॥
ॐ साकल्याय२॥ॐ अगस्त्याय२॥
ॐ विधेकर्मिण्य२॥ॐ गार्ग्यय२॥ॐ
सागम्यय२॥ॐ मातुल्याय२॥ॐ ए
त्रित्याय२॥ॐ विप्रश्चर२॥ॐ
एय२॥ॐ सोनकाय२॥ॐ मात
य२॥ॐ वोम्याय२॥ॐ वधनीकाय
२॥ॐ सनिकाय२॥ॐ कीर्त्तिका
य२॥ॐ वात्स्याय२॥ॐ नृध्वजाय
२॥ॐ लोमनस्तारवाय२॥ॐ कलु
य२॥ॐ धर्म्याय२॥ॐ कर्म

५ वा यर॥ ॐ मंग्राय॥ ॐ सा कल्याय
२॥ ॐ नमस्तुभय॥ ॐ वाजिकाय॥
ॐ धामय॥ ॐ पिपलादाय॥ ॐ
श्रवयगणय॥ ॥ ॐ अष्टिभिनम
॥ ॐ रनय॥ ॐ कलिकाय॥
ॐ गहि॥ ॐ मृगालि॥ ॐ
आदाय॥ ॐ पुनर्वसय॥ ॐ पूषाय॥
२॥ ॐ अयय॥ ॐ मद्याय॥
ॐ पुर्वश्रुय॥ ॐ उग्रश्रुय॥
य॥ ॐ रुद्राय॥ ॐ विगाय॥
य॥ ॐ विगाय॥ ॐ अर
नाथाय॥ ॐ अयय॥ ॐ मला
य॥ ॐ पुषायाय॥ ॐ उग्रना
थाय॥ ॐ अयय॥ ॐ उग्र
य॥ ॐ पुषायाय॥ ॐ उग्र
य॥ ॐ नवय॥ ॐ उग्र
य॥ ॐ अयय॥ ॐ विगाय॥
ॐ यय॥ ॐ अयय॥ ॐ
सोराय॥ ॐ अयय॥ ॐ
अयय॥ ॐ अयय॥ ॐ
२॥ ॐ अयय॥ ॐ अयय॥
ॐ अयय॥ ॐ अयय॥ ॐ
ॐ अयय॥ ॐ अयय॥ ॐ

ॐ वगिपागा यर॥ ॐ वनिद्या ना यर॥
ॐ पनिद्या यर॥ ॐ णिवा यर॥ ॐ सि
दु यर॥ ॐ साध्मा यर॥ ॐ शुखा यर॥
ॐ शुक्रा यर॥ ॐ वध्म (खर॥ ॐ वेद्रा
यर॥ ॐ वेष्ट (खर॥ ॐ गार्धा निम
४॥ ॥ ॐ ववक धुम य नम ४॥ ॐ गि
लक धुम यर॥ ॐ गलक धुम यर॥ ॐ वनि
क धुम यर॥ ॐ विहिक धुम यर॥ ॐ ग
गक धुम यर॥ ॐ गगनक धुम यर॥
ॐ सगुलिक धुम॥ ॐ वदधदा क
क धुम यर॥ ॐ गगक धुम यर॥
ॐ म्बा यर॥ ॐ वृषा यर॥ ॐ मि
धुना यर॥ ॐ कर्कटा यर॥ ॐ मि
हा यर॥ ॐ कन्या यर॥ ॐ तुला य
॥ ॐ विष्णु यर॥ ॐ धनद यर॥ ॐ
मक ना यर॥ ॐ कन्या यर॥ ॐ मी
ना यर॥ ॐ गगनी गध यर॥ ॥
ॐ ज्येष्ठा यर॥ ॐ वल यर॥ ॐ
वासा यर॥ ॐ हन मग यर॥ ॐ वि
शीष धा यर॥ ॐ कृपा यर॥ ॐ
पथि ना सा यर॥ ॐ मार्क (धु या
यर॥ ॐ ज्येष्ठा यर॥ ॐ जीवी गध

यर॥ ॐ क ण वा र॥ ॐ ना ना
 यर॥ ॐ सा ध वा य र॥ ॐ वि द वा
 यर॥ ॐ वि ब्रु व र॥ ॐ स ध सू र ना
 यर॥ ॐ ति वि क्र सा य र॥ ॐ क्रा
 म ना य र॥ ॐ णी ध ना य र॥ ॐ
 रु धी क ण य र॥ ॐ प द्य ना रा
 य र॥ ॐ दा मा द ना य र॥ ॐ प
 र धा क मा य र॥ ज ण क ण वा दि
 दा द ण सू रि य र॥ ॥ ॐ क ग ध
 र॥ ॐ द का य र॥ ॐ व स ध र॥ ॐ
 स णा य र॥ ॐ का ला य र॥ ॐ का
 ना य र॥ ॐ पू न न ध र॥ ॐ पू न न
 ध र॥ ॐ ध न ध र॥ ॐ ना च ना य
 र॥ ज ण द ण द व ग ण य र॥ ॥
 ॐ आ वा यी य र॥ ॐ पू नै वा य
 र॥ ॐ ति आ वा यी य र॥ ॥
 ॐ ग ध ध र॥ ॐ नि भ ध र॥
 ॐ या ष र॥ ॐ मू र्क र॥
 ॐ दि व स र॥ ॐ ज्ञ हा ना य र॥
 र॥ ॐ प द र॥ ॐ मा स र॥
 ॐ स तु र॥ ॐ स च स न र॥
 ॐ प वि र॥ ॐ ज्ञ र॥ ॐ ग र
 स र॥ ॐ वा य ध र॥ ॐ आ का

सा यर॥ ५॥ पक्ष वा य व ग ए ए यर॥
 ॐ दक्षी न म ४॥ ॐ ग म य मी २॥ ॐ सा दि
 मी २॥ ॐ स न ख धि २॥ ॐ गी ग म मी २॥
 ॐ ग म ना मी २॥ ॐ त्रि मी २॥ ॐ ग म मी २॥
 ॥ ॐ मा ए यो २॥ ॐ ग दक्षी ग ए यर॥ ॐ
 अक्ष न यो २॥ ॐ द वा न ग म यर॥ ॐ
 ना ग यो २॥ ॐ अ न को यर॥ ॐ वा
 स की २॥ ॐ ग द का यर॥ ॐ कर्कोट
 का यर॥ ॐ प द्मा यर॥ ॐ म हा प द्मा
 यर॥ ॐ ह्रीं ह्रीं पा ला यर॥ ॐ कालि
 का यर॥ ॐ अक्ष कल ना ग ना उ
 ग ए यर॥ ॥ ॐ दक्षि स म द्वा यर॥
 ॥ ॐ की न स म द्वा यर॥ ॐ ॐ दू स
 म द्वा यर॥ ॐ ग द्वा द क स म द्वा यर॥
 ॐ द्वा न स म द्वा यर॥ ॐ सिं धू स म
 द्वा यर॥ ॐ सर्पि स म द्वा यर॥ ॐ ग स
 प स म द्वा यर॥ ॥ ॐ उर्द्व दी पा यर॥
 ॥ द्वा दी पा यर॥ ॐ ए सि दी पा यर॥
 ॐ कृ ए दी पा यर॥ ॐ क्री प्र दी पा य
 र॥ ॐ स्ना क दी पा यर॥ ॐ पृष्ठा दी
 पा यर॥ ॐ उ ग स प द्वा पा य ग ए यर॥
 ॥ ॐ म न प द्वा गा यर॥ ॐ म हि न प द्वा गा
 यर॥ ॐ क्री ला स प द्वा गा यर॥ ॐ मं यो
 नी ले प द्वा गा यर॥ ॐ हि मा ले य प द्वा गा

य२॥ ॐ चिद्रूपं पदं गाय२॥ ॐ अग्राह
 कृत्स्नपर्वटगणाय२॥ ॥ ॐ गलोयन
 म४॥ ॐ दिगलोय२॥ ॐ सगलोय२॥ ॐ
 गलालोय२॥ ॐ निगलोय२॥ ॐ नसग
 लोय२॥ ॐ पागलोय२॥ ॐ नसिद्धि
 लोय२॥ ॐ ॥ ॐ रत्नोकोय२॥ ॐ
 रुद्रोकोय२॥ ॐ खोकोय२॥ ॐ
 महलोकोय२॥ ॐ ऊनोकोय२॥ ॐ
 यलोकोय२॥ ॐ सरोकोय२॥ ॐ
 सकलोकोय२॥ ॐ ॥ ॐ सनिग
 नम४॥ ॐ सनिगमान्धरोय२॥ ॐ
 धरोय२॥ ॐ सनिगुपरोय२॥ ॐ
 धरोय२॥ ॐ यदोय२॥ ॐ वि
 रोय२॥ ॐ रोगोय२॥ ॐ गंध
 उं किन्नरोय२॥ ॐ गुह्यकोय२॥
 उं सिद्धोय२॥ ॐ स्रष्टोय२॥ ॐ
 रोगोय२॥ ॐ नदवधानोय॥ ॐ
 पशुयोय२॥ ॐ पुगोय२॥ ॐ
 योय२॥ ॐ उं धरोय२॥ ॐ
 उं योय२॥ ॐ उं गयोय२॥ ॐ
 योय२॥ ॐ ॐ योय२॥ ॐ
 गयोय२॥ ॐ ॐ सनेगम
 उं सनेगमय२॥ ॐ कपिलोय२॥ ॐ
 असनेयोय२॥ ॐ योय२॥ ॐ

ॐ
 लिखाय ॥ ॐ मनीषिणे ॥ अग
 र ॥ ॐ गिने ॥ ॐ प्रक्षेत्रे
 ॥ ॐ पुनराय ॥ ॐ अगव ॥ ॐ
 पुनराय ॥ ॐ वलिष्ठाय ॥ ॐ
 गव ॥ ॐ नागदाय ॥ ॐ गव
 (ॐ) मानसपुत्राय ॥ ॐ गद
 कने ॥ ॐ अवाहनारुक्ताय नव
 नादाय ॥ ॐ धूपदीपने वयादिक
 दत्ता ॥ ॐ धने सि ॥ ॐ गता सि ॥ ॐ
 साफल्यलिनी ॥ ॐ अक्षयपुत्र ॥ ॐ
 नारायणि ॥ ॐ नोवने कुला ॥ ॐ
 धाय ॥ ॐ यथा ॥ ॐ काने ॥ ॐ
 ॥ ॐ महनि ॥ ॐ म
 यव सुदवाव ॥ ॐ सविता ॥ ॐ
 (ॐ) सुगमाय ॥ ॐ मने ॥ ॐ
 द्या ॥ ॐ द्याय ॥ ॐ गाय ॥ ॐ
 माया ॥ ॐ यथा ॥ ॐ मावने ॥ ॐ
 गाय ॥ ॐ सा ॥ ॐ अक्षय ॥ ॐ
 हि ॥ ॐ ॥











































